

बदले गए जोड़ के आसपास संक्रमण (घुटना)

यह पृष्ठ मशीन द्वारा अनूदित है और अभी तक किसी चिकित्सक द्वारा जाँचा नहीं गया है। **अंग्रेज़ी संस्करण** ही आधिकारिक है।

आपको क्या महसूस होता है

पेरिप्रोस्थेटिक जॉइंट इन्फेक्शन का मतलब है बदले गए घुटने (नी रिप्लेसमेंट) के आसपास संक्रमण (इन्फेक्शन)। यह ऑपरेशन के बाद कभी भी शुरू हो सकता है, कभी-कभी महीनों या सालों बाद भी। घुटने में आम तौर पर दर्द, सूजन और गर्माहट होती है। दर्द अक्सर उस तरह कम नहीं होता जैसे सामान्य रूप से ठीक होने में होता है, और यह रात में या कुछ देर पैरों पर खड़े रहने के बाद ज़्यादा हो सकता है।

रोज़ के काम मुश्किल हो सकते हैं। लेटरबॉक्स तक चलकर जाना, नीची कुर्सी से उठना, या सीढ़ियां उतरना पहले से ज़्यादा दुख सकता है। कुछ लोगों को लगता है कि घाव वाली जगह छूने पर दुखती है, या उससे तरल रिस रहा है। त्वचा में एक छोटा रास्ता जिससे तरल रिसता हो, जिसे साइनस ट्रैक्ट कहते हैं, संक्रमण का एक मज़बूत संकेत है और इसे कभी भी अनदेखा नहीं करना चाहिए।

लक्षण अस्पष्ट हो सकते हैं। कभी-कभी मुख्य समस्या साफ़ दर्द नहीं होती, बल्कि एक ऐसा घुटना होता है जो कभी पूरी तरह ठीक महसूस नहीं होता, और उसमें जकड़न या तकलीफ़ धीरे-धीरे बढ़ती जाती है। संक्रमण से बदला गया जोड़ ढीला भी हो सकता है, जिससे वज़न डालने पर दर्द होता है। क्योंकि ये संकेत घुटने की दूसरी समस्याओं से मिलते-जुलते हैं, इसलिए संक्रमण को पहचानना हमेशा आसान नहीं होता।

ऐसी कोई एक जांच नहीं है जो पक्का जवाब दे। आपके सर्जन कई जानकारीयों को मिलाकर देखेंगे: खून की जांच, सुई से घुटने से निकाला गया तरल, स्कैन, और आपकी जांच करने पर उन्हें क्या मिलता है। इनमें से कुछ जांचों पर हाल में ली गई एंटीबायोटिक का असर पड़ सकता है, इसलिए अगर आपने कोई एंटीबायोटिक ली है तो अपने सर्जन को बताना ज़रूरी है। अगर देर से होने वाले संक्रमण का शक हो, तो आम तौर पर एंटीबायोटिक तब तक रोककर रखी जाती हैं जब तक पहचान पक्की न हो जाए या संक्रमण की संभावना खारिज न हो जाए, क्योंकि पहले एंटीबायोटिक शुरू करने से बैक्टीरिया छिप सकते हैं और नमूने खराब हो सकते हैं।

अगर आपका घुटना बदला गया है और आपके घुटने में दर्द है, सूजन है या उससे तरल रिस रहा है, तो अपनी सर्जिकल टीम से संपर्क करें। जल्दी जांच से आपको सीधे-सादे नतीजे का सबसे अच्छा मौका मिलता है।

असल में क्या हो रहा है

बदला गया घुटना एक कृत्रिम सतह है जो आपकी जांघ और शिन की हड्डियों के सिरों पर लगाई जाती है। आम तौर पर आपका शरीर इसे स्वीकार कर लेता है, और नया जोड़ आसानी से हिलता-डुलता है। पेरिप्रोस्थेटिक जॉइंट इन्फेक्शन में, बैक्टीरिया कृत्रिम हिस्सों पर या उनके आसपास जम जाते हैं और एक परत बना लेते हैं जिसे बायोफ़िल्म कहते हैं। इसे एक चिपचिपी ढाल की तरह समझें जो बैक्टीरिया अपने चारों ओर बना लेते हैं। एक बार यह ढाल बन जाए, तो आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्यून सिस्टम) और एंटीबायोटिक के लिए उन तक

पहुंचना मुश्किल हो जाता है, इसीलिए संक्रमण महीनों तक अंदर ही अंदर सुलगता रह सकता है और इसीलिए इलाज में आम तौर पर एंटीबायोटिक के साथ-साथ सर्जरी भी शामिल होती है।

संक्रमण घुटने के आसपास के ऊतक को परेशान (इरिटेट) करता है, इसीलिए उसमें दर्द, सूजन और गर्माहट हो जाती है। यह कृत्रिम हिस्सों और आपकी हड्डी के बीच की पकड़ को भी ढीला कर सकता है, जिससे बदला गया जोड़ मज़बूती से नहीं बैठा रहता। यही ढीलापन वज़न डालने पर घुटने में दर्द की वजह बनता है, और इसी से वह तरल या रिसता हुआ घाव समझ में आता है जो कुछ लोगों को दिखता है।

यह लगभग 1% से 2% घुटना बदलने के ऑपरेशनों में होता है। कुछ हालात जोखिम बढ़ा देते हैं। अगर आपको पहले कभी सेप्टिक आर्थराइटिस, यानी जोड़ के अंदर संक्रमण, हो चुका है, तो कूल्हा बदलने के ऑपरेशन की तुलना में घुटना बदलने के ऑपरेशन के बाद आपको यह समस्या होने की संभावना ज़्यादा है। सर्जरी के बाद के पहले सप्ताहों में घाव की समस्याएं भी इस बात की संभावना बढ़ा देती हैं कि संक्रमण नए जोड़ के आसपास गहराई तक पहुंच जाए।

इसके दो मुख्य पैटर्न हैं। जल्दी होने वाला संक्रमण ऑपरेशन के कुछ ही समय बाद दिखता है, जब बैक्टीरिया अभी भी आज़ाद तैर रहे होते हैं और उन्होंने अपनी ढाल नहीं बनाई होती। देर से होने वाला या पुराना (क्रॉनिक) संक्रमण महीनों या सालों बाद होता है, जब बैक्टीरिया अच्छी तरह सुरक्षित होते हैं और मज़बूती से चिपके होते हैं। यह अंतर मायने रखता है, क्योंकि जल्दी होने वाले संक्रमण का इलाज कभी-कभी जोड़ को धोकर और मूल बदला गया जोड़ अपनी जगह पर रखकर किया जा सकता है। देर से होने वाले संक्रमण में आम तौर पर बदले गए जोड़ को निकालना और अलग-अलग चरणों में नया जोड़ लगाना पड़ता है।

हम इसके लिए क्या कर सकते हैं

बदले गए घुटने के आसपास का संक्रमण ऐसी समस्या नहीं है जिसे आप खुद संभाल सकें, और फिजियोथेरेपी या दर्द की गोलियों से यह खत्म नहीं होगा। जो मदद करता है, वह है जल्दी कदम उठाना। अगर घुटना बदलने के ऑपरेशन के बाद आपके घुटने में दर्द, सूजन, गर्माहट हो जाए या उससे तरल रिसने लगे, तो यह देखने का इंतज़ार करने की बजाय कि यह ठीक होता है या नहीं, तुरंत अपनी सर्जिकल टीम से संपर्क करें।

इलाज इस पर निर्भर करता है कि ऑपरेशन के बाद कितनी जल्दी संक्रमण दिखा। जब संक्रमण पहले कुछ सप्ताहों में होता है, तो हम कभी-कभी जोड़ को धोकर और कृत्रिम हिस्सों को साफ़ करके आपके मूल बदले गए जोड़ को अपनी जगह पर छोड़ सकते हैं। यह एक ऑपरेशन में किया जाता है, और उसके बाद एंटीबायोटिक दी जाती हैं। यह जितनी जल्दी किया जाए, उतना बेहतर काम करता है। सर्जरी के 1 महीने के भीतर होने वाले संक्रमण के इस तरीके से खत्म होने की संभावना सबसे ज़्यादा होती है, और जैसे-जैसे समय बीतता है यह संभावना कम होती जाती है। सर्जरी के बाद 12 सप्ताह के भीतर होने वाले संक्रमण के लिए, यह तरीका एक मान्य विकल्प है।

देर से होने वाले संक्रमण में आम तौर पर बड़े ऑपरेशन की ज़रूरत होती है। संक्रमित बदला गया जोड़ निकाल दिया जाता है, घुटने में एंटीबायोटिक स्पेसर लगाया जाता है, और कुछ समय तक एंटीबायोटिक दी जाती हैं। स्पेसर एक अस्थायी टुकड़ा है जो जगह को खुला रखता है और वहीं पर एंटीबायोटिक दवा पहुंचाता है। जब संक्रमण काबू में आ जाता है, तो दूसरे ऑपरेशन में नया जोड़ लगाया जाता है। दो चरणों वाला यह तरीका जमे हुए संक्रमण के इलाज का आम तरीका है, और लगभग दो-तिहाई मामलों में घुटना संक्रमण से मुक्त हो जाता है। कुछ खास स्वास्थ्य समस्याओं वाले लोगों के लिए रास्ता ज़्यादा कठिन होता है, और इलाज की योजना बनाते समय हम आपके साथ इस पर विचार करते हैं।

इलाज चुनना एक साझा फैसला है। हम देखते हैं कि आपका घुटना कितने समय पहले बदला गया था, कौन-से बैक्टीरिया शामिल हैं, आपका कुल स्वास्थ्य कैसा है, और घुटना कितनी बुरी हालत में है। फिर हम समझाते हैं कि कौन-सा विकल्प आपके लिए सही है और उसमें क्या शामिल है, और आप हमारे साथ मिलकर तय करते हैं कि आगे कैसे बढ़ना है।

क्या उम्मीद करें

आगे क्या होगा, यह काफ़ी हद तक इस पर निर्भर करता है कि संक्रमण का कितनी जल्दी पता चला और इलाज हुआ। जब ऑपरेशन के कुछ ही समय बाद इसका पता चल जाता है, तो जोड़ को धोना और आपके मूल बदले गए जोड़ को रखना अच्छा काम कर सकता है। जब इस तरह जल्दी इलाज किया जाता है, तो 76% मामलों में 1 साल बाद घुटना संक्रमण से मुक्त रहता है। यह जितनी जल्दी किया जाए, इसके काम करने की संभावना उतनी बेहतर होती है, और जैसे-जैसे समय बीतता है यह संभावना कम होती जाती है।

देर से होने वाले संक्रमण में आम तौर पर ऊपर बताए गए दो चरणों वाले तरीके की ज़रूरत होती है। इस इलाज से लगभग दो-तिहाई मामलों में घुटना संक्रमण से मुक्त हो जाता है। कुछ बैक्टीरिया को खत्म करना दूसरों से ज़्यादा मुश्किल होता है, और एक से ज़्यादा तरह के बैक्टीरिया वाले संक्रमण में रास्ता आम तौर पर ज़्यादा कठिन होता है। दूसरी बीमारियों वाले लोगों के लिए भी रास्ता ज़्यादा मुश्किल हो सकता है। अगर इलाज के बाद संक्रमण लौट आता है, तो आम तौर पर और सर्जरी की ज़रूरत होती है।

संक्रमण को यूँ ही छोड़ देने से काम नहीं चलता। बैक्टीरिया खुद को इस तरह बचा लेते हैं कि आपका शरीर और एंटीबायोटिक उन तक नहीं पहुँच पाते, इसलिए दर्द, सूजन और ढीलापन बने रहते हैं या धीरे-धीरे बिगड़ते जाते हैं। यह जितना लंबा चलता है, इसका इलाज उतना ही मुश्किल होता जाता है।

इलाज के बाद ठीक होने में समय लगता है। बहुत से लोगों को लगता है कि संक्रमण खत्म होने के बाद उनका घुटना अच्छी तरह हिलता-डुलता है, और जिन लोगों का सफल इलाज हुआ है वे अक्सर बताते हैं कि उनका घुटना संक्रमण शुरू होने से पहले से भी बेहतर महसूस होता है। लेकिन रास्ता हमेशा आसान नहीं होता। कुछ लोगों को एक से ज़्यादा ऑपरेशन की ज़रूरत पड़ती है, और अगर संक्रमण किसी और तरीके से खत्म न हो सके तो कुछ लोगों को बड़ी बचाव सर्जरी (सैल्वेज सर्जरी) की ज़रूरत पड़ती है।

इलाज के बाद पहले 2 साल तक आपकी सर्जिकल टीम आप पर करीब से नज़र रखेगी, क्योंकि इसी समय संक्रमण के लौटने की संभावना सबसे ज़्यादा होती है। अगर किसी भी समय आपके घुटने में फिर से दर्द, सूजन या गर्माहट हो जाए, तो यह देखने का इंतज़ार करने की बजाय कि यह ठीक होता है या नहीं, तुरंत अपनी टीम से संपर्क करें।

डॉक्टर को कब दिखाएं

बदले गए घुटने के आसपास के संक्रमण की जल्दी जांच ज़रूरी है। अगर आपके घुटने में दर्द, सूजन या गर्माहट हो जाए, या घाव से तरल रिसने लगे, तो तुरंत अपनी सर्जिकल टीम से संपर्क करें। अगर आपको बुखार हो, आम तौर पर तबीयत ठीक न लगे, या लाली और सूजन घुटने से आगे फैल रही हो, तो इमरजेंसी विभाग जाएं। अगर ऑपरेशन के बाद से आपका घुटना कभी पूरी तरह ठीक महसूस नहीं हुआ, और दर्द कम नहीं हो रहा, जकड़न बढ़ती जा रही है, या तकलीफ़ रात में ज़्यादा होती है, तो किसी विशेषज्ञ से जांच के लिए कहें। त्वचा में एक छोटा रास्ता जिससे तरल रिसता हो, उसकी बिना देर किए जांच ज़रूरी है। अगर पहले आपके घुटने का संक्रमण के लिए इलाज हो चुका है और वही संकेत लौट आए, तो यह देखने का इंतज़ार करने की बजाय कि यह ठीक होता है या नहीं, फिर से अपनी टीम से संपर्क करें।